मेट्रो-3 पर बनेगा 6 मंजिला बिल्डिंग जितना स्केलेटर

Pankaj.Pandey@timesgroup.com

मुंबई: मेट्रो से सफर करने वाले हवाई यात्रियों को आसानी से एयरपोर्ट पहुंचाने की व्यवस्था कर मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) नया कीर्तिमान स्थापित कर रही है। हवाई यात्रियों को एयरपोर्ट परिसर तक पहुंचाने के लिए एमएमआरसी ने टी-2 (सीएसएमआईए) मेट्रो स्टेशन पर देश का सबसे ऊंचा एस्केलेटर लगाने का निर्णय लिया है। यह एस्केलेटर करीब छह मंजिला इमारत के इतना ऊंचा होगा। टी-2 सेशन का एस्केलेटर करीब 19.15 मीटर का होगा।

मेट्रो को एयरपोर्ट से जोड़ने वाले इस स्टेशन पर 19.15 मीटर के कुल 8 एस्केलेटर लगाए जाएंगे। एमएमआरसी प्रवक्ता के अनुसार, मौजूदा समय में दिल्ली मेट्रो के एक स्टेशन पर सबसे ऊंचा एस्केलेटर करीब 15 मीटर है, लेकिन मेट्रो-3 के टी-2 स्टेशन पर 19.15 मीटर ऊंचे एस्केलेटर लगने के बाद सबसे ऊंचे यात्री एस्केलेटर का कीर्तिमान एमएमआरसी के नाम दर्ज हो जाएगा।

8 एस्केलेटर में से 4 एस्केलेटर लगाने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। 19.15 मीटर ऊंचे एस्केलेटर को स्टेशन परिसर में स्थापित करने के लिए 250 टन की क्षमता वाली क्रेन का इस्तेमाल हो रहा है। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच 33.5 किमी लंबा भूमिगत मेट्रो मार्ग तैयार किया जा रहा है। मेट्रो का यह मार्ग जमीन की सतह से करीब 15 से 20 मीटर तैयार हो रहा है।

देश का सबसे ऊंचा एस्केलेटर होने का दावा | मेट्रो स्टेशन से एयरपोर्ट पहुंचना होगा आसान

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन नया कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

19.15 **मीटर के कुल 8 एस्केलेटर लगाए जाएंगे मेट्रो को एयरपोर्ट से जोड़ने वाले इस स्टेशन पर**

एस्केलेटर की मदद से हवाई यात्री चंद मिनट में जमीन के भीतर से एयरपोर्ट परिसर के करीब तक पहुंच सकेंगे। मुंबई एयरपोर्ट देश का दूसरा सबसे व्यस्तम एयरपोर्ट है, यहां से रोजाना 950 से अधिक विमानों का संचालन होता है। हवाई यात्रियों के साथ ही एयरपोर्ट पर अपने परिजनों को छोड़ने के लिए भी सैकड़ों लोग एयरपोर्ट पहुंचते हैं। वहीं लोगों को ट्रॉफिक जाम की समस्या से निजाद मिल जाएगी।

प्रॉजेक्ट से क्या होगा फायदा

एस्केलेटर को स्टेशन परिसर में स्थापित करने के लिए इस्तेमाल में लाए जाएंगे
250 टन क्षमता की क्रेन

कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच भूमिगत मेट्रो मार्ग तैयार किया जा रहा है, यह मार्ग
33.5 किमी लंबा होगा

मेट्रो-3 कॉरिडोर के बन जाने से दक्षिण मुंबई से हवाई यात्री एयरपोर्ट तक पहुंच सकते हैं
20 से 25 मिनट में

दिसंबर 2023 में आरे से बीकेसी और बीकेसी से कफ परेड तक सेवा शुरू करने की डेडलाइन
जून 2024 रखी है

20 से 25 मिनट में पहुंच सकेंगे एयरपोर्ट

मेट्रो-3 कॉरिडोर के बन जाने से दक्षिण मुंबई से हवाई यात्री 20 से 25 मिनट में एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे। जबकि मौजूदा समय में दक्षिण मुंबई से एयरपोर्ट पहुंचने में करीब एक से डेढ़ घंटे का समय लगया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुंबई एयरपोर्ट और नवी मुंबई एयरपोर्ट को भी मेट्रो के माध्यम से कनेक्ट किया जाएगा। दोनों एयरपोर्ट को कनेक्ट करने के लिए करीब 35 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर तैयार किया जाएगा। शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मानखुर्द तक मेट्रो के निर्माण का जिम्मा एमएमआरडीए के पास होगा। करीब 11 किमी के मेट्रो मार्ग के निर्माण का जिम्मा सिडको के पास होगा। मेट्रो के इस मार्ग के बन जाने के बाद मुंबई एयरपोर्ट से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक केवल 30 से 40 मिनट में पहुंचना संभव होगा, जबकि मौजूदा समय में मुंबई से नवी मुंबई में बन रहे एयरपोर्ट पर सड़क से पहुंचने में करीब दो से ढाई घंटे का समय लगया है।

प्रॉजेक्ट का हाल

मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण कार्य 82 फीसदी तक पूरा हो चुका है। सरकर ने मेट्रो सेवा की शुरुआत दो फेज में करने का फैसला लिया है। इसके तहत दिसंबर 2023 में आरे से बीकेसी और बीकेसी से कफ परेड तक जून 2024 से सेवा शुरू करने की योजना है। वहीं मुंबई एयरपोर्ट और नवी मुंबई एयरपोर्ट के बीच बनने वाले मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण कार्य की शुरुआत अब तक नहीं हुई है।